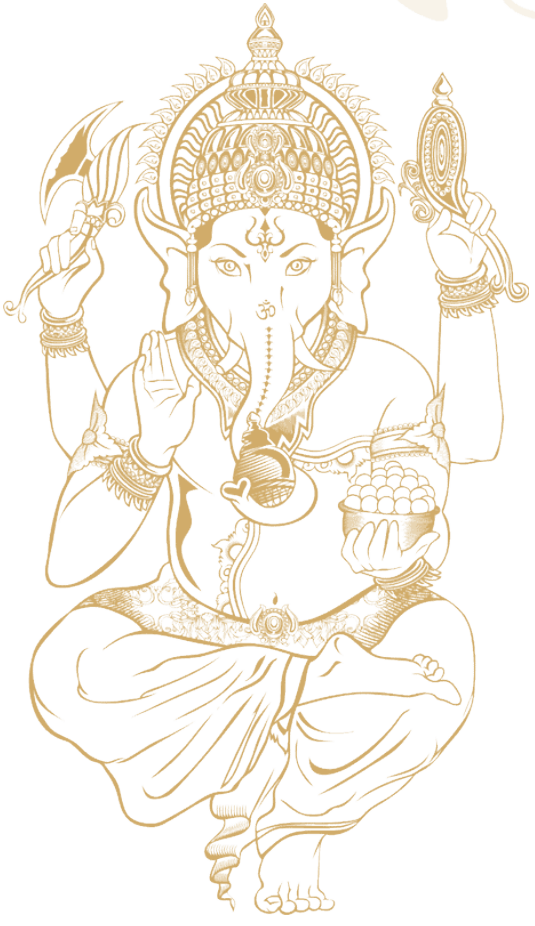

Atul tiwari

13 Jul 1997

10:10 AM

Delhi Chakla

Model: web-freekundliweb

Order No: 121694904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/07/1997**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:10:00 घंटे**
इष्ट	10:19:18 घटी
स्थान	**Delhi Chakla**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:02:00 उत्तर
रेखांश	72:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:30:20 घंटे
वेलान्तर	-00:05:43 घंटे
साम्पातिक काल	04:54:45 घंटे
सूर्योदय	06:02:16 घंटे
सूर्यास्त	19:28:14 घंटे
दिनमान	13:25:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	27:00:46 मिथुन
लग्न के अंश	21:11:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:11:54	330:10:52	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मिथु	27:00:46	00:57:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			तुला	00:14:21	12:08:47	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	17:43:18	00:31:42	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
बुध			कर्क	15:13:34	01:44:28	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
गुरु	व		मक	26:25:55	00:05:49	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			कर्क	23:40:11	01:12:37	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	शत्रु राशि
शनि			मीन	26:12:48	00:01:59	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	27:52:42	00:00:10	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	27:52:42	00:00:10	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	13:31:33	00:02:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप	व		मक	04:57:52	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	09:15:48	00:00:57	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	21:08:57	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:20

लग्न-चलित

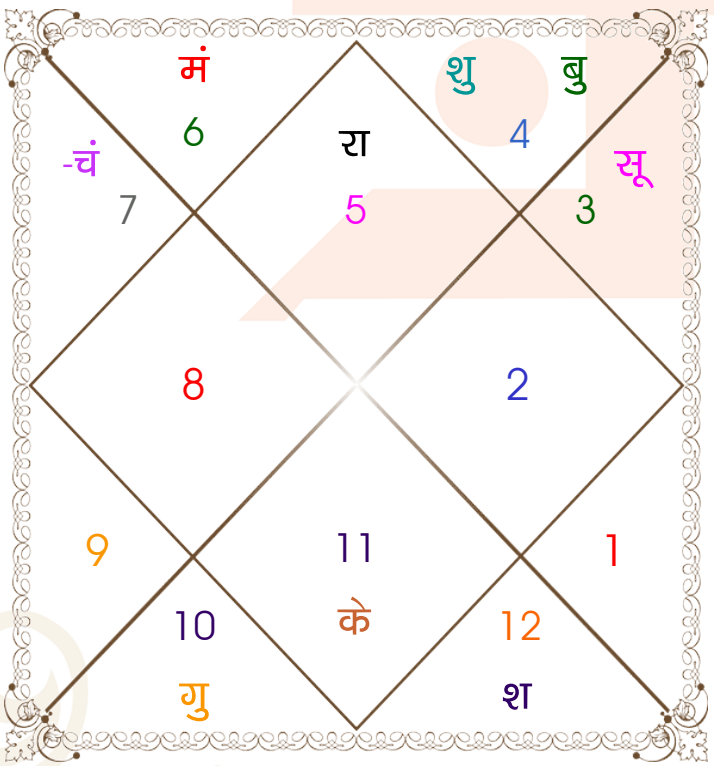

चन्द्र कुंडली

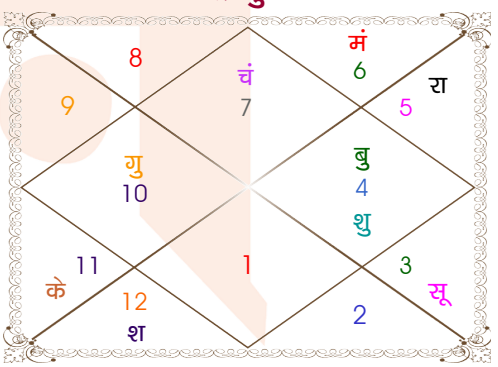

नवमांश कुंडली

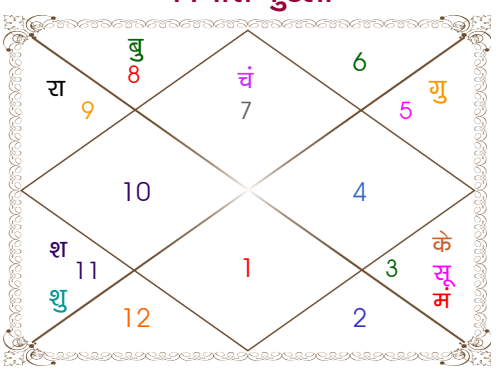

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 4 मास 15 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/07/1997		26/11/2000		27/11/2018		27/11/2034		27/11/2053	
26/11/2000		27/11/2018		27/11/2034		27/11/2053		27/11/2070	
	00/00/0000	राहु	10/08/2003	गुरु	14/01/2021	शनि	30/11/2037	बुध	24/04/2056
	00/00/0000	गुरु	02/01/2006	शनि	28/07/2023	बुध	09/08/2040	केतु	22/04/2057
	00/00/0000	शनि	08/11/2008	बुध	02/11/2025	केतु	18/09/2041	शुक्र	20/02/2060
	13/07/1997	बुध	29/05/2011	केतु	09/10/2026	शुक्र	17/11/2044	सूर्य	27/12/2060
बुध	25/05/1998	केतु	15/06/2012	शुक्र	09/06/2029	सूर्य	30/10/2045	चंद्र	28/05/2062
केतु	21/10/1998	शुक्र	16/06/2015	सूर्य	28/03/2030	चंद्र	01/06/2047	मंगल	26/05/2063
शुक्र	22/12/1999	सूर्य	10/05/2016	चंद्र	28/07/2031	मंगल	09/07/2048	राहु	12/12/2065
सूर्य	27/04/2000	चंद्र	08/11/2017	मंगल	03/07/2032	राहु	16/05/2051	गुरु	19/03/2068
चंद्र	26/11/2000	मंगल	27/11/2018	राहु	27/11/2034	गुरु	27/11/2053	शनि	27/11/2070

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/11/2070		27/11/2077		27/11/2097		28/11/2103		28/11/2113	
27/11/2077		27/11/2097		28/11/2103		28/11/2113		00/00/0000	
केतु	25/04/2071	शुक्र	28/03/2081	सूर्य	16/03/2098	चंद्र	28/09/2104	मंगल	26/04/2114
शुक्र	24/06/2072	सूर्य	28/03/2082	चंद्र	15/09/2098	मंगल	29/04/2105	राहु	14/05/2115
सूर्य	30/10/2072	चंद्र	27/11/2083	मंगल	21/01/2099	राहु	29/10/2106	गुरु	19/04/2116
चंद्र	31/05/2073	मंगल	26/01/2085	राहु	15/12/2099	गुरु	28/02/2108	शनि	29/05/2117
मंगल	27/10/2073	राहु	27/01/2088	गुरु	04/10/2100	शनि	28/09/2109	बुध	14/07/2117
राहु	15/11/2074	गुरु	27/09/2090	शनि	16/09/2101	बुध	27/02/2111		00/00/0000
गुरु	22/10/2075	शनि	27/11/2093	बुध	23/07/2102	केतु	28/09/2111		00/00/0000
शनि	29/11/2076	बुध	27/09/2096	केतु	28/11/2102	शुक्र	29/05/2113		00/00/0000
बुध	27/11/2077	केतु	27/11/2097	शुक्र	28/11/2103	सूर्य	28/11/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 4 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।